



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 237]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 3, 1981/आषाढ़ 12, 1903

No. 237]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 3, 1981/ASADHA 12, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के उपर में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि संवालय

(आवृत्ति विभाग)

भारतीय

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1981

सां. का० नं० 427 (अ)/आव० एस्टु/गशा.—केन्द्रीय सरकार,
आवश्यक बस्तु प्रधिनियम, 1955 (1955/ना 10) की शारा 3 द्वारा
प्रदत्त पाकियों का प्रयोग करते हुए, गशा (नियंत्रण) आदेश*, 1966 का
निम्नलिखित प्रौढ़ और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है,
अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम गशा (नियंत्रण) संशोधन
आदेश, 1981 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. गशा (नियंत्रण) आदेश, 1966 में,—

(1) खण्ड 3 के उपखण्ड (1) के परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित
परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से,
राज्य सरकार ऐसी परिस्थितियों में और ऐसी घटी के प्रवीन रहते
हुए जो खण्ड 3क में विविध हैं, इस प्रकार नियत कीमत में
समुचित रिवेट प्रत्यापत कर सकेंगी”।

(2) खण्ड 3क के परन्तुक में,—

(i) खण्ड (ii) में “जला हुमा गशा” शब्दों के स्थान पर, जहाँ
कहीं वे आते हैं “जला हुआ गशा या बासा गशा या सूखा गशा या अस्तीकृत
किसी का गशा” शब्द रखे जाएंगे;

(ii) खण्ड (iv) के स्थान पर निम्नलिखित दण्ड रखा जाएगा,
अर्थात्:—

“(iv) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या कृषि निवेशक
या गशा अधिकृत या जिला अधिस्ट्रेट, यथा स्थिति, न्यूनतम कीमत
या करार पाई गई कीमत में समुचित रिवेट तब प्रत्यापत कर सकेंगा
जब उनकी अपनी-प्रपती प्रधिकारिता के प्रत्यर चीजी कारबाहों
को खेत पर गशे का प्रदाय इस भार्त के प्रवीन रहते हुए किया
जाता है कि इस प्रकार प्रत्यापत रिवेट फसल काटने पर प्राक्कलित
व्यय से भविध नहीं होगा”।

(3) खण्ड (4) के तीसरे परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित
परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह भी कि केन्द्रीय सरकार, या केन्द्रीय सरकार के
अनुमोदन से, राज्य सरकार, ऐसी परिस्थितियों में या ऐसी घटी
के प्रवीन रहते हुए जो खण्ड 4क में विविध हैं, इस प्रकार नियत
कीमत में समुचित रिवेट प्रत्यापत कर सकेंगी”।

(4) अंड 4 के परामुख में,—

(i) अंड (ii) में “जला हुआ गन्धा” शब्दों के स्थान पर जहाँ कहीं वे आते हैं “जला हुआ गन्धा या बासा गन्धा या घूसा गन्धा या अस्थीकृत किसीको का गन्धा” शब्द रखे जाएँगे;

(ii) अंड (iv) के स्थान पर निम्नलिखित अंड रखा जाएगा, प्रथम:—

“(iv) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या कृषि निवेशक या गन्धा भायुक्त या जिला मणिट्रेट, यथा स्थिति, न्यूनतम कीमत या कठार पाई गई कीमत में समुचित रिबेट सब अनुकूलत कर सकेगा जब उनकी प्रपनी-प्रपनी प्रधिकारिता के अन्वर कीमी कारबाहों को खेत पर गन्धे का प्रदाय इस शर्त के अधीन रहते हुए किया जाता है कि इस प्रकार अनुकूलत रिबेट फसल काटने पर प्राप्तिलिंग व्यय से अधिक नहीं होगा”।

[सं. 4-24 क/70-एस पी वाई (डी-2)]
सी. एन. राष्ट्रवन्, संयुक्त सचिव (कीमी)

*कुट-भोठ

1. सा० का० नि० 1126/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 16-7-1966
2. सा० का० नि० 35/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 5-1-67
3. सा० का० नि० 1591/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 17-10-67
4. सा० का० नि० 945/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 18-5-68
5. सा० का० नि० 1456/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 2-8-68
6. सा० का० नि० 620/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 8-4-70
7. सा० का० नि० 402(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 25-9-74
8. सा० का० नि० 492(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 12-9-75
9. सा० का० नि० 542(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 27-10-75
10. सा० का० नि० 484(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 26-7-76
11. सा० का० नि० 799(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 13-9-76
12. सा० का० नि० 815(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 24-9-76
13. सा० का० नि० 913(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 9-12-76
14. सा० का० नि० 62(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 2-2-78
15. सा० का० नि० 197(प्र)/प्राव० वस्तु/गन्धा, दिनांक 28-3-78

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 3rd July, 1981

G.S.R. 427(E)/Eas. Com/Sugarcane.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities

Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Sugarcane (Control Order,* 1966, namely :—

1. (1) This Order may be called the Sugarcane (Control) Amendment Order, 1981.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Sugarcane (Control) Order, 1966,—

(1) in clause 3, for the proviso to sub-clause (1), the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the Central Government or with the approval of the Central Government, the State Government, may, in such circumstances and subject to such conditions as specified in clause 3A, allow a suitable rebate in the price so fixed”.

(2) in the proviso to clause 3A,—

(i) in clause (ii), for the words “burnt cane” wherever they occur, the words “burnt cane or stale cane or dried cane or rejected varieties of cane” shall be substituted;

(ii) for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely :—

(iv) The Central Government or the State Government or the Director of Agriculture or the Cane Commissioner or the District Magistrate, may allow a suitable rebate in the minimum price or the agreed price, as the case may be, when the cane is supplied ex-field to sugar factories within their respective jurisdictions subject to the condition that the rebate so allowed shall not exceed the estimated expenditure on harvesting”.

(3) for the third proviso to clause 4, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided also that the Central Government or with the approval of the Central Government, the State Government, may, in such circumstances and subject to such conditions as specified in clause 4A, allow a suitable rebate in the price so fixed”.

(4) in the proviso to clause 4A,—

(i) in clause (ii), for the words “burnt cane” wherever they occur, the words “burnt cane or stale cane or dried cane or rejected varieties of cane” shall be substituted;

(ii) for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely :—

(iv) The Central Government or the State Government or the Director of Agriculture or the Cane Commissioner or the District Magistrate, may

allow a suitable rebate in the minimum price as the case may be, when cane is supplied ex-field to khandsari units within their respective jurisdictions subject to the condition that the rebate so allowed shall not exceed the estimated expenditure on harvesting".

[No. 4-24A/79-SPY(D-II)]

C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy. (Sugar)

* Foot-Note

1. G.S.R. 1126/Ess. Com./Sugarcane, dated 16-7-1966.
2. G.S.R. 35/Ess. Com./Sugarcane, dated 5-1-67.
3. G.S.R. 1591/Ess. Com./Sugarcane, dated 17-10-67.

4. G.S.R. 945/Ess. Com./Sugarcane, dated 18-5-68.
5. G.S.R. 1456/Ess. Com./Sugarcane, dated 2-8-68.
6. G.S.R. 620/Ess. Com./Sugarcane, dated 8-4-70.
7. G.S.R. 402(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 25-9-74.
8. G.S.R. 492(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 12-9-75.
9. G.S.R. 542(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 27-10-75.
10. G.S.R. 484(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 26-7-76.
11. G.S.R. 799(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 13-9-76.
12. G.S.R. 815(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 24-9-76.
13. G.S.R. 913(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 9-12-76.
14. G.S.R. 62(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 2-2-78.
15. G.S.R. 197(E)/Ess. Com./Sugarcane, dated 28-3-78.

